हृदय और धड़कन

वर्ष-2, अंक-24, दिसम्बर 20, 2011

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

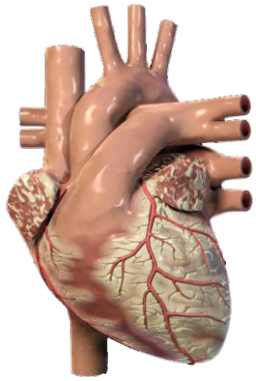

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अनिश चंदाराणा
(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता
(M) +91-99250 45780
डॉ. जोयल शाह
(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी
(M) +91-98251 43975
डॉ. गुणवंत पटेल
(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख
(M) +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह
(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी
(M) +91-98250 30111

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह
(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक
(M) +91-90991 11133
डॉ. दीपेश शाह
(M) +91-90990 27945

पिडियाट्रिक और एडल्ट कार्डियक सर्जन

डॉ. शौनक शाह
(M) +91-98250 44502

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार
(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया
(M) +91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ
(M) +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया
(M) +91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666

कोरोनरी एन्जियोग्राफी

हृदय की धमनियों में एथेरोस्क्लेरोसिस के कारण अवरोध आ जाता है। इस अवरोध के कारण हृदय को पूरा रक्त नहीं मिलता है जिससे उसको पूरा पोषण और प्राणवायु नहीं मिलता है और एन्जायना पेक्टोरिस या हार्ट अटैक हो सकता है। इसलिए कोरोनरी धमनी में रुकावट कहां है ये ढूंढना और ऐसी बंद धमनियों को खोलना ये 'कार्डियोलोजिस्ट' का मुख्य लक्ष्य होता है।

हृदय की यह जांच कार्डियाक केथेटराइजेशन से होती है। इस कार्यपद्धति के द्वारा हृदय की रक्तवाहिनियां चौड़ी है या नहीं ये जांच की जाती है। ऐसा करते समय हृदयरोग विशेषज्ञ हृदय के अंदर के दबाव को नापते हैं। एक्स रे किरणों के लिए अपारदर्शक दवा (डाई-Dye) इन्जेक्शन के द्वारा हृदय में डाली जाती है। एक्स रे द्वारा हृदय को रक्त पहुंचाती धमनियों की चलचित्र जैसी तस्वीर लेते हैं

रेडियल आर्टरी (कलाई की / हाथ की धमनी) एन्जियोग्राफी और एन्जियोप्लास्टी

25 साल में दिशाए बदल गई । आज भी हम जब 2012 में प्रवेश कर रहे है तब कोरोनरी एन्जियोग्रॉफी में डॉक्टरो के अंगत द्रष्टिकोण मुताबिक 25 साल पहले यानि की 1985 में जब जांध (फेमारेल) की पद्धति का उपयोग करने की तालीम ली उस समय रेडियल (हाथ की धमनी द्वारा) पध्धति का उपयोग नही होता था । 1980 की साल के अंत के भाग में फ्रेन्च-केनेडियन फिजिशियन डॉ. लुसीन केम्पीउ ने राइट रेडियल आर्टरी का उपयोग डायोग्नोस्टिक केथेराइजेशन के लिये किया था और 1992 तक डॉ. क्रिमेनिड़ और उसके साथीओ ने रेडियल आर्टरी के उपयोग - इन्टरवेन्शनल पद्धति जैसे कि डिलिवरिंग बलुन्स एन्ड स्ट्रेन्टस के लिये किये जाने वाले रास्ते की जाँच की थी । डॉक्टर के अनुभव की बात करे तो

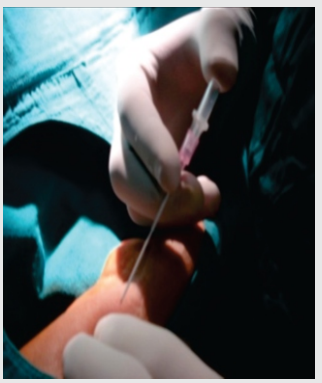

सीम्स अस्पताल के हमारे साथीओ ने 2000 के साल से रेडियल की ओर का रास्ता अपनाया और 2011 तक 25,000 से भी ज्याद रेडियल प्रोसिजर्स की है । यह भारत में सबसे बडी संख्या में से एक गिनी जाती है । हम महीने में 500 से उपर रेडियल आर्टरी (हाथकी) धमनी से प्रक्रिया करते है । इसके अनुसंधान में इन्डियन हार्ट जर्नल और गुजरात मेडिकल जर्नल में लेख लिख्रे गए है ।

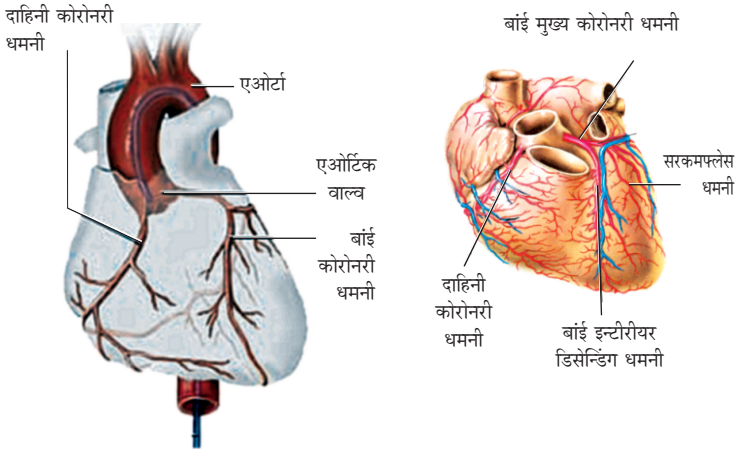

और हृदय कितनी ज्यादा या कम क्षमता से धड़कता है तथा रक्त वाहिनियों में रुकावट है कि नहीं उसका मूल्यांकन करते है। इसके अलावा कई जन्मजात कमियों के लिए, वाल्व की तकलीफों के लिए तथा कमजोर हृदय के लिए भी कार्डियाक केथेटराइजेशन किया जाता है ।

सामान्य डॉक्टर व विशेषज्ञ के बीच अंतर

जनरल फिज़िशियन, इन्वेज़िव कार्डियोलोजिस्ट और इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजिस्ट (General Physician, Invasive Cardiologist अथवा Interventional Cardiologist) क्या हैं?

इसके बारे में अब हम कुछ जानते है :- जो हृदयरोग विशेषज्ञ केवल एन्जियोग्राफी व एन्जियोप्लास्टी जैसे काम करते हैं उनको Invasive or Interventional Cardiologist कहा जाता है। जो हृदयरोग विशेषज्ञ इस प्रकार की प्रक्रिया नहीं करते हैं, केवल रोगो का निदान करते हैं उन्हे जनरल फिजिशियन या नॉन- इन्वेज़िव कार्डियोलोजिस्ट (Non-Invasive Cardiologist) कहा जाता है।

जो हृदयरोग विशेषज्ञ शल्यक्रिया द्वारा इलाज करते हैं उन्हें कार्डियक सर्जन (Cardiac Surgeon) कहते हैं।

कैथ प्रयोगशाला अथवा कैथ लेब

कार्डियाक कैथेटराइजेशन लेबोरेटरी (कैथ लेब) के नाम से पहचाने जाने वाले एक खास कमरे में कार्डियाक कैथेटराइजेशन किया जाता है। उस कमरे के अंदर एक्स रे मशीन और कैमरे वाली एक टेबल होती है। इस टेबल पर रोगी को सुलाया जाता है। उसके चारों तरफ एक्स रे और कैमरा गोल गोल घुमाया जा सके ऐसी व्यवस्था होती है।

हाथ की धमनी से हृदय में केथेटर डाल कर उसके द्वारा एक्स रे में भी दिखे वैसी दवा अथवा डाइ इन्जेक्शन द्वारा हृदय की धमनी में डाल कर जब हृदय धड़के तब साथ वाला कैमरा हृदय की

एन्जियोग्राफी सिर्फ 7 सेकन्ड में

विश्व के सबसे तेज एन्जियोग्राफी मशीन (फिलिप्स एक्सपर टेक्नोलॉजी) सीम्स में उपलब्ध है । इस मशीन में सिर्फ 7 सेकन्ड में एन्जियोग्राफी के फोटो निकलते है

एन्जियोप्लॉस्टी के अच्छे परिणाम के लिये स्टेन्ट बुस्ट टेक्नोलोजी

सीम्स कार्डियाक टीम 25 साल से ज्यादा अनुभव के साथ भारत की अग्रिम कार्डियाक टीम में से एक है ।

हर महिने 600 से भी ज्यादा कार्डियाक प्रोसिजर, गुजरात में प्राइवेट क्षेत्र में सबसे ज्यादा

धमनियों की फोटो लेकर उसे सी.डी. पर उतारता है।

प्लम्बिंग

प्लम्बिंग का मतलब है मकान में नलों का काम और प्लम्बर मतलब प्लम्बिंग करने वाला कारीगर। जिस तरह पानी के नलों के अन्दर खार जम जाता है, और वे बंद हो जाते हैं, उसी तरह हृदय की कोरोनरी धमनियों में भी अंदर की तह जम जाती है और वह संकरी हो जाती हैं, या बंद भी हो सकती है। इसे एथरोस्कलेरोसिस कहते हैं।

हृदय के प्लम्बर, अर्थात् हृदय की बंद धमनियों को खोलने वाले कार्डियोलोजिस्ट हृदय की प्लम्बिंग की कमियों को यानि की हृदय की धमनियों के अन्दर रुकावटों को ढूंढते हैं।

हृदय की धमनियां

हमने देखा कि रक्त हृदय की धमनियों के अंदर से प्रवाहित होता है। फिर भी हृदय अपना पोषण और ऑक्सीजन हृदय की धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज़) नाम की खास धमनियों में से ही लेता है।

हृदय की दो मुख्य धमनियां होती हैं, हृदय की बांई धमनी और हृदय की दांई धमनी (Left Coronary Artery, LCA and Right Coronary Artery, RCA) दोनों का उद्भव स्थल है महाधमनी, यानि कि अपने शरीर की मुख्य धमनी (Aorta)। हृदय की बांई धमनी को बांई मुख्य धमनी (Left Main) भी कहा जाता है, इसके दो भाग पड़ते हैं, बांई तरफ से नीचे की तरफ जाती हुई धमनी (लेफ्ट एन्टिरियर डिसेन्डिंग आर्टरी, एल.ए.डी. LAD) और बांई सर्कमफ्लेक्स धमनी (एल.सी.एक्स., LCX)। हृदय के दांई ओर नीचे की ओर रक्त प्रवहन करती धमनी को (आर.सी.ए., RCA) कहते हैं इस प्रकार हृदय की कुल तीन धमनियां हैं।

डॉक्टर मरीज को ऐसी दवा लिखते हैं जिसकी उनको कम जानकारी हो। यह दवा ऐसे रोग के लिए लिखते हैं जिसके बारे में उन्हें बहुत कम जानकारी हो, और ऐसे व्यक्ति के लिए लिखते हैं जिनके बारे में वे बिल्कुल नहीं जानते।

सामान्य रूप से अवरोध इन तीन धमनियों में होता है। यह अवरोध परक्यूटेनियस ट्रान्स-ल्युमिनल कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी यानि कि पी.टी.सी.ए. (Percutaneous Transluminal Coronary Angioplasty or PTCA) द्वारा खोल देते हैं, या कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट (Coronary Artery Bypass Graft or CABG) के द्वारा बाय पास किया जाता है, अर्थात् रक्त के लिए नई नलियां डाली जाती हैं। कई बार दवाईओं से भी इलाज होता है।

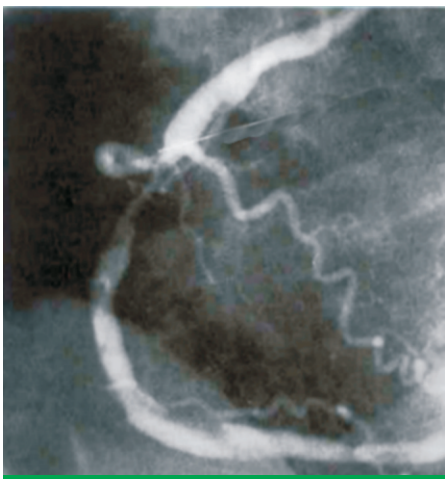

९० प्रतिशत बंद धमनी

कार्डियाक केथेटराइजेशन किस प्रकार किया जाता है?

कार्डियाक केथेटराइजेशन आउटडोर पेशेंट व इनडोर पेशेंट पर हो सकता है आउट डोर पेशेंट यानि कि रोगी सवेरे अस्पताल में आए, और सामान्यतया केथेटराईजेशन पूरा होने पर कुछ घंटे आराम करके वापस चला जाए। अगर मरीज की तबियत अच्छी न हो तो ही उसे भर्ती करने की आवश्यकता पड़ती है।

स्वर्ग में प्रवेश के लिए एक डॉक्टर, एक इंजीनियर, व एक वकील खड़े थे। भगवान ने कहा 'एक ही जगह खाली है और वह जगह सबसे पुराने व्यवसाय वाले व्यक्ति को मिलेगी।'

'सबसे पुराना व्यवसाय तो मेरा है' डॉक्टर बोला 'जब प्रभू ने आदम में से ईव बनाई यह एक ऑपरेशन का उदाहरण है। इसलिए काट-पीट ही सबसे पुराना व्यवसाय हुआ।'

'ना..., ना... पहले मेरी बात सुनो।' इंजीनियर बोला, 'आदम और ईव बनाने के पहले प्रभू ने आकाश में बहती धूल और अस्त-व्यस्त वस्तुओं में से पृथ्वी और तारों को बनाया, इसलिए मेरा व्यवसाय सबसे पुराना हुआ।'

'अरे भाई आकाश में बहती धूल और अस्त व्यस्त वस्तुएं वहां पर रखी किसने?' वकील ने पूछा।

केथेटराइजेशन के ६ से ८ घंटे पहले से मरीज को कुछ भी नहीं खाना चाहिए। उसकी जांघ व हाथ के भाग की हजामत कर साफ किया जाता है। जब मरीज खास केथ लेब टेबल पर आ जाता है तब उसे हल्की बेहोशी की दवा दी जाती है, जिससे उसे आराम रहे, हाथ में सुन्न करने की दवा (Local Anaesthesia) लगाई जाती है जिससे केथेटर डालते समय मरीज को दर्द न हो, दो मि.मि. चौड़ी स्ट्रॉ जैसी एक संकरी नली हाथ की धमनी में डाली जाती है। केथेटर इस नली के अंदर से प्रसार कर हाथ में व इसके बाद महाधमनी के अंदर से हृदय तक पहुंचाया जाता है।

शुरुआत में विशिष्ट प्रकार के केथेटर को बांई मुख्य धमनी अथवा हृदय की दांई धमनी में से प्रसार किया जाता है। एक्स रे के द्वारा चित्र लिए जाते हैं। कैमरे के द्वारा मरीज के आस-पास गोल गोल घुमाकर हृदय की धमनियों को अलग - अलग कोणों से देखा जाता है और इन दृश्यों को सी.डी. के ऊपर अंकित किया जाता है।

किरणों के कारण अपारदर्शक दवा (डाई-dye) हृदय की धमनियों और उनकी शाखाओं में जाती हुई देखी जा सकती है। हृदय की अन्य धमनियों की भी इसी तरह तस्वीरें ली जाती हैं।इस संपूर्ण प्रक्रिया में सामान्यतया १ मिनट का समय लगता है।

केथ लेब में प्रोसिज़र के लिए विशेष टीम की आवश्यकता है।

कैथटराइजेशन के पश्चात्

जब हृदयरोग विशेषज्ञ निदान के बारे में पूर्ण संतुष्ट हो जाते हैं तब केथेटर व उसके साथ वाली नली निकाल दी जाती है। जांघ के छेद को बंद करने के लिए नर्स जांघ को दबाती है,और उस पर साधारण ड्रेसिंग कर दी जाती है।

हाथ की धमनी (रेडियल आर्टरी) में से एन्जियोग्राफी करने के बाद मरीज आराम से बेठ और चल सकता है ।

मरीज को कुछ घंटो के लिए पीठ के बल सीधा सोना जरूरी है। पर उसके बाद मरीज तुरंत चल सकता है। हाथ में की हुई केथेटराइजेशन के बाद मरीज कुछ समय में ही चल सकता है।

सुरक्षा और खतरा

कार्डियाक केथेटराइज़ेशन वास्तव में सुरक्षित होता है पर फिर भी उसमें रक्तस्राव ब्लीडिंग, छूत से अथवा एक्स-रे में दिखे ऐसी दवा के कारण ऐलर्जी आदि जैसी तकलीफों का थोड़ा -सा खतरा (१००० में से १ किस्सा) रहता है। हृदयरोग का हमला, बेहोशी अथवा मृत्यु जैसी गंभीर समस्याओं के उत्पन्न होने की संभावना काफी कम होती है।लगभग २०००में से एक रोगी को ही हो सकती है,खासकर उनको जिनके हृदय में पहले से ही तकलीफ हो।

मिसेज शाहने अपने बच्चे का इलाज करवाया लेकिन डाक्टर साहब का बिल देखकर भडक गई। डाक्टर साहब पर ठर्राकर बरसी, 'आप इतना अधिक कैसे वसूल रहे है? मेरे बच्चे को तो मामूली फ्ल्यू वायरल बुखार ही हुआ था।'

डाक्टर साहबने कहा, 'मैडम! मैंने करीब १०-१२ बार आपके बच्चे का परिक्षण किया हैं, मैं आपके घर पर भी दो बार विज़िट पर आया था।'

मिसेज शाहने तत्परता से कहा, 'लेकिन डाक्टर साहब, आप यह भूल रहे हैं कि मेरे मोन्टूने अपने फ्ल्यू के चेप को पुरी स्कूल में फैलाया था। क्या आपको याद हैं मोन्टू के बाद आपको कितने और मरीज़ मीले?'

सौजन्य : - 'हृदय की बात दिल से'
लेखक - डॉ. केयूर परीख

मोबाइल फोन और डॉक्टर के कार्यकाल की स्थिति

शून्य स्थिति (मेडिकल छात्र) : वह अपने १०० प्रतिशत फोन के जवाब देता है। वह संभावित हर जानकारी डाउनलोड करता है, और उस जानकारी की दिन भर छान बीन करता है। नए - नए मोबाइल खरीदता है।

पहली स्थिति (इन्टर्नशिप) : वह अपने १०० प्रतिशत फोन के जवाब देता है, अपने मित्रों माता - पिता व परिवार वालों को फोन करके अपनी बिमारी बताने को कहता है। वह पुरानी जानकारीओं को नहीं देखता है, क्योकि अब वह सब जानता है!

दूसरी स्थिति (रेसिडेन्सी) : वह अपने किसी फोन का जवाब नहीं देता है, क्योंकि यह हमेशा थका हुआ होता है। डाउनलोड की हुइ समस्त जानकारी फोन में से हटा देता है क्योंकि उसे वह सब कचरे जैसी लगती है।

तीसरी स्थिति (प्राइवेट प्रेक्टिस) : वह अपने १०० प्रतिशत फोन के जवाब देता है। अगर कोई फोन नहीं आए तो हमेशा फोन को देखा करता है, इस आशा में कि किसी नये मरीज का फोन आएगा

चौथी स्थिति (सिनियर प्रेक्टिशनर) : वह अपने मरीजो के ५० प्रतिशत फोन के जवाब देता है, जबकि स्टॉक ब्रोकर के १०० प्रतिशत के लगभग जवाब देता है, शेयर मार्केट से लगती हर जानकारी को डाउनलोड करता है, वह म्युजिक व फोटो वगेरह भी अपने मोबाइल पर डाउनलोड करता है।

अन्तिम स्थिति (रिटायरमेन्ट के समय): वह अपने किसी फोन का जवाब नहीं देता है। अब वह वृद्ध बहरा, व अंधा हो गया है इसलिए वाइब्रेटर मोड का ही उपयोग करता है।

- डॉ. केयूर परीख

सीम्स अस्पताल के कार्डियोलॉजीस्ट डॉ. सत्य गुप्ता का ताजीकीस्तान सरकार द्वारा सम्मान

डॉ. सत्य गुप्ता को मीनीस्ट्री ऑफ हेल्थ, ताजीकीस्तान की ओर से

इन्टरवेन्शन कार्डियोलॉजी विभाग का सेट-अप करने और इस विभाग में एन्जियोग्राफी और एन्जियोप्लास्टी करने के लिये आमंत्रित किया गया था । उन्होने सिर्फ 2 दिन में सफलतापूर्वक 19 ट्रान्स रेडियल एन्जियोग्राफी और एन्जियोप्लास्टी की । यह ताजीकीस्तान के इतिहास में पहली घटना थी की जहां ट्रान्स-रेडियल इन्टरवेन्शन का उपयोग किया गया ।

ताजीकीस्तान के राष्ट्रपति ने डॉ. सत्य गुप्ता को बुलाया और उसकी इस कुशलता, झडप और सरलता से काम करने के लिये उनका सम्मान किया । राष्ट्रपति ने ऐसा भी कहा कि डॉ. सत्य गुप्ता का नाम ताजीकीस्तान की इतिहास में लिखा जायेगा । ताजीकीस्तान की भारतीय एम्बेसेडरने भी डॉ. सत्य गुप्ता का सन्मान किया । उन्हे ताजीकीस्तान के हेल्थ मिनिस्टर द्वारा इस देश में इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजी के प्रोग्राम का संचालन करने के लिये भी निमंत्रण दिया गया है।

सीम्स कार्डियाक टीम द्वारा पहलीबार चेन्नाई की अपोलो अस्पताल में मीक्स एमवीआर

सीम्स अस्पताल की कार्डियाक टीम के डॉ. धवल नायक और डॉ. निरेन भावसार ने पहली

बार सितंबर 5, 2011 के दिन चेन्नाई की अपोलो अस्पातल (कार्डियाक सर्जरी के एक अग्रिम अस्पताल) में मीक्स एमवीआर की सर्जरी (सिर्फ 3-4 इंच के चीरे द्वारा की जाने वाली सर्जरी) 34 साल की उम्र के एक महिला पर की जो सीम्स अस्पताल के लिये बहुत गौरव की बात है । इसके लिए सीम्स अस्पताल डॉ. धवल नायक और डॉ. निरेन भावसार को खूब बधाई देकर उनका सम्मान करता है ।

भारत में सीम्स अस्पताल सबसे ज्यादा मीक्स (मीनीमल इन्वेसीव कार्डियाक सर्जरी) का अनुभव रखती है ।

पीडियाट्रीक कार्डियोलॉजी (बाल हृदयरोग विभाग)

- बच्चो की जन्मजात हृदय की बीमारी के लिये पीडियाट्रीक कार्डियोलॉजी और सर्जरी के लिये संपूर्ण टीम गुजरात के प्राइवेट अस्पताल में पहली बार ।
- अत्याधुनिक उपकरणो से सुसज्जित बाल हृदयरोग विभाग
- बच्चो और नवजात शिशु के हृदय संबंधित सभी रोगो का इलाज होगा ।

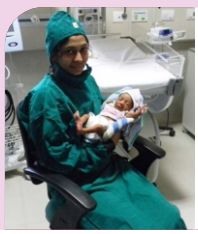

1.5 किलोग्राम वजन के बच्चे के हृदय की एन्जियोप्लास्टी से इलाज

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

हृदयकी सर्जरी सिर्फ 3-4 इंच चीरे के द्वारा

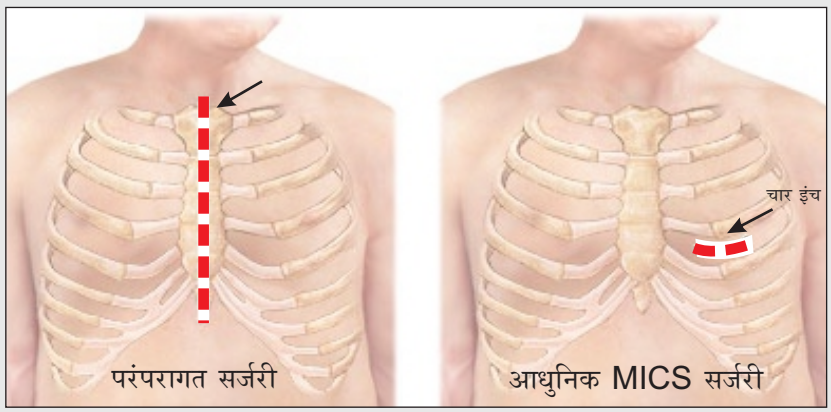

मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (MICS)

MICS के आधुनिक साधनोसे सुसज्जित पश्चिम भारत की प्रथम अस्पताल

इस हृदय रोग सर्जरी (MICS) के फायदे:

- तुरंत रीकवरी
- जल्दी डिस्चार्ज
- कम दर्द
- कॉस्मेटीक फायदा

क्लास 100 लेमीनार एरफ्लो मॉड्युलर ऑपरेशन थियेटर्स

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 मोबाईल :+91-98250 66661
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) मोबाईल : +91-98250 66664, 98250 66668
इमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

नवम्बर 20, 2011 के दिन सीम्स अस्पताल द्वारा आयोजित
क्रिटीकल केर, ट्रोमा सेन्टर और इमरजन्सी विभाग के
शुभ उद्घाटन की एक झलक

मान. श्री असित वोरा

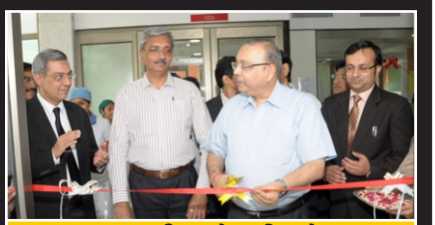
मान. श्री राजेश किशोर

मान. श्री डॉ. शरद व्यास

सीम्स गायनेकोलॉजी और ओब्स्टेट्रीक्स

- महिलाओ के लिये विशेष हेल्थ चेकअप जिसमें शामिल है पेप स्मीअर और मेमोग्राफी
- सभी प्रकार की सर्जिकल एवं नोन सर्जिकल गायनेक सारवार
- अत्याधुनिक साधन जैसे की फीटल मोनीटर और नीओनेटल आइसीयु की सुविधा द्वारा माता की एवं नवजात शिशु की संपूर्ण देखभाल एक ही स्थल पर

गर्भवती महिला और गायनेक मरीज के लिये
संपूर्ण सुरक्षा हमारी अनुभवी टीम द्वारा

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

14 महीने में सीम्स अस्पताल की उपलब्धिया

- 58,000 संतुष्ट मरीज
- 32,000 ओपीडी मुलाकात
- 7300 कोरोनरी एन्जियोग्राफी
- 2700 एन्जियोप्लॉस्टी और अन्य प्रोसिजर्स
- 830 नोन-कार्डियाक सर्जरी
- 2200 से ज्यादा डायालिसीस प्रथम वर्षमें
- 1000 से ज्यादा ओपन हार्ट/वास्क्युलर सर्जरी
- साल (2010-2011)के समयमें विक्रमी 9000 नये दाखिल मरीज (एडमिशन)

गुजरात राज्य के प्राइवेट अस्पताल में शुरुआत के प्रथम साल में सबसे ज्यादा एडमिशन

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-98250 66661
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at MBC, Navrangpura, Ahmedabad-380009 on the 27th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,
Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.
Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)
Fax: +91-79-2771 2770
Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।